शेरो-शायरी के साथ नेता प्रतिपक्ष ने विधानसभा में सरकार पर तंज कसे

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान विधानसभा के बजट सत्र में वित्त और विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान शुक्रवार को सदन का माहौल उस समय गरमा गया, जब नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने राज्य सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरते हुए तीखा भाषण दिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का लंबा दौर चला।

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली

- **टीकाराम जूली ने कहा कि ''सिलेंडर की कीमत, बिजली दर, रोजगार सृजन और किसान हित योजनाओं को लेकर किए गए दावे धरातल पर पूरी तरह लागू नहीं हुए।''**
- **नेता प्रतिपक्ष ने अलवर के अवैध पटाखा फैक्ट्री हादसे, जयपुर-जोधपुर की सड़क दुर्घटनाओं तथा सवाई मानसिंह अस्पताल में आग की घटनाओं का जिक्रकरते हुए पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया व प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए।**

जूली ने अपने संबोधन की शुरुआत शेरो-शायरी से करते हुए सत्ता के अहंकार पर तंज कसा और 'दो साल बनाम पांच साल' के विकास मॉडल पर खुली बहस की चुनौती दी। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार के पांच वर्षों की तुलना में मौजूदा सरकार अपने दो वर्षों में अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाई है। नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री के 2023 के चुनावी वादों का हवाला देते हुए कहा कि सिलेंडर की कीमत, बिजली दर, रोजगार सृजन और किसान हित योजनाओं को लेकर किए गए दावे धरातल पर पूरी तरह लागू नहीं हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ योजनाओं का नाम बदलकर दोबारा पेश किया गया, लेकिन उनका वास्तविक लाभ आमजन तक सीमित रूप से पहुंचा। जूली ने मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टरों और प्रोफेसरों की कमी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि कई जगह छात्रों को ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई करनी पड़ रही है। भरतपुर के आरबीएम अस्पताल भवन और महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेंस की इमारत का जिक्र करते हुए उन्होंने संचालन में देरी पर सवाल खड़े किए। उन्होंने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों को लेकर कहा कि राजस्थान में दरें पडौसी राज्यों से अधिक हैं। बजट में 0.81 प्रतिशत महंगाई दर बताए जाने पर उन्होंने आंकड़ों का स्रोत पूछा। एमओयू के जरिए 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश के दावों पर भी उन्होंने पारदर्शिता की मांग की और कहा कि घोषित निवेश और धरातल पर आए निवेश में अंतर स्पष्ट किया जाए।

नेता प्रतिपक्ष ने अलवर के अवैध पटाखा फैक्ट्री हादसे, जयपुर और जोधपुर की सड़क दुर्घटनाओं तथा सवाई मानसिंह अस्पताल में आग की घटना का उल्लेख करते हुए पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की प्रक्रिया और प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं की गई।

अपने भाषण में जूली ने कहा कि 'एप्सटीन फाइल्स' से भी बड़ी 'उदयपुर फाइल्स' है। उन्होंने संकेत दिया कि यदि इन फाइलों का खुलासा हो जाए तो कई परतें सामने आ सकती हैं। हालांकि उन्होंने सदन की मर्यादा का हवाला देते हुए विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की, लेकिन सरकार पर गंभीर आरोपों के संकेत दिए। उनके इस बयान के बाद सदन में हलचल और बढ़ गई। जूली ने आरोप लगाया कि करीब 20 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को प्रभावी प्रशासनिक जिम्मेदारियों के बजाय 'टेलीफोन ऑपरेटर' की तरह कार्य में लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अनुभवी अधिकारियों की क्षमता का सही उपयोग नहीं हो रहा और प्रशासनिक ढांचे में असंतुलन पैदा हो रहा है। इस टिप्पणी पर सत्ता पक्ष ने आपत्ति भी जताई। उन्होंने स्मार्ट सिटी, हर घर बिजली, गेहूं खरीद के आंकड़ों और केंद्र से मिलने वाली वित्तीय सहायता में राज्य की रैंकिंग गिरने का मुद्दा भी उठाया। पेपर लीक और कर्मचारी चयन बोर्ड से जुड़े मामलों में जांच की धीमी गति पर भी सवाल उठाए।

विधायक कार्यकर्ताओं पर एन.एस.यू.आई. के प्रदेश महासचिव से मारपीट का आरोप

जयपुर । राजधानी में खींवसर विधायक के कार्यकर्ताओं पर एनएसयूआई प्रदेश महासचिव के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। इस संबंध में पीड़ित ने ज्योति नगर थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस के अनुसार नागौर के खींवसर निवासी एनएसयूआई प्रदेश महासचिव अनिल सारण (22) ने शिकायत में बताया कि गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे वह राजस्थान विधानसभा के सामने स्थित विधायक आवास में जनप्रतिनिधियों से मिलने पहुंचे थे। वह किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी से मुलाकात करने जा रहे थे। इसी दौरान लिफ्ट में खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा का ड्राइवर मौजूद था, हालांकि लिफ्ट में कोई बातचीत नहीं हुई।

पुलिस के अनुसार विकास चौधरी के विधानसभा में होने की जानकारी मिलने पर वह भोपालगढ़ विधायक गीता बरवड़ से मिलने उनके फ्लैट पर पहुंचे। वहां बैठे होने के दौरान उन्हें विधायक रेवंतराम डांगा के सोशल मीडिया इंचार्ज के नाम से व्हाट्सएप कॉल आया। जिसमें किसी काम के बहाने नीचे बुलाया गया। पीड़ित का आरोप है कि बिल्डिंग के नीचे पहुंचने पर 8-10 लोग पहले से खड़े थे। उनके पास जाते ही रविंद्र डांगा, सुरेंद्र डांगा और ड्राइवर सहित अन्य लोगों ने गाली-गलौच करते हुए मारपीट की। किसी तरह वहां से भागकर उन्होंने अपनी जान बचाई और पुलिस को सूचना दी।

निवेश के लिए पूरी तरह तैयार है राजस्थान : भजनलाल शर्मा

प्रौद्योगिकी, डिजिटल गवर्नेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम के क्षेत्र में तेजी से अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है राजस्थान : मुख्यमंत्री

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान प्रौद्योगिकी, डिजिटल गवर्नेंस और स्टार्टअप इकोसिस्टम के क्षेत्र में तेजी से अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है। सरकार ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और नीतियों व प्रक्रियाओं को सरल बनाकर निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। उन्होंने उद्यिमयों से आव्हान किया कि वे राजस्थान में निवेश कर राज्य के विकास में सक्रिय भागीदार बनें और आत्मनिर्भर व विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने में सहयोग दें। मुख्यमंत्री शुक्रवार को जयपुर के निजी होटल में आयोजित 'राजस्थान सी-साइड स्टार्टअप समिट-2026' को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर में 'राजस्थान सी-साइड स्टार्टअप समिट-2026' का उद्घाटन करने के बाद युवाओं से उनके प्रोजेक्ट्स पर चर्चा की।

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई, डीपटेक, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले 2 वर्षों में आई-स्टार्ट कार्यक्रम से प्रदेश में 3450 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुए है।**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के तहत 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए थे, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई, डीपटेक, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में राजस्थान तेजी से आगे बढ़ रहा है। पिछले दो वर्षों में आई-स्टार्ट कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में 3450 से अधिक स्टार्टअप पंजीकृत हुए हैं। एनिमेशन, गेमिंग, एक्सटेंडेड रियलिटी और कॉमिक्स जैसे क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बजट 2026-27 में स्टार्टअप हब्स को टिंकरिंग लैब, डीप-टेक लैब्स और एआई लैब्स से सुसज्जित करने के लिए प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राजस्थान सेमीकंडक्टर पॉलिसी-2026 और राजस्थान एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी-2026 को कैबिनेट से अनुमोदन मिल चुका है। राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 के तहत पात्र उद्यमों को प्रीमियम में 75 प्रतिशत छूट दी जा रही है।

उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो क्लीयरेंस सिस्टम और 'राजनिवेश' पोर्टल के एकीकरण से निवेश प्रक्रिया और सरल हुई है। इस पोर्टल पर 49 हजार करोड़ रुपये के 2000 से अधिक प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के सशक्तीकरण के लिए राजस्थान युवा नीति और रोजगार नीति लागू की गई है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत 18 से 45 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए राज्य के 33 जिलों में स्कूल और कॉलेज स्तर पर 65 लॉन्चपैड विकसित किए गए हैं।

आर्मेनिया गणराज्य के राजदूत वहागन आफ्यान ने कहा कि भारत और आर्मेनिया के बीच तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सहयोग किया जा रहा है। समिट से दोनों देशों के स्टार्टअप्स, निवेशक और नीति-निर्माता एक साझा मंच पर आए हैं।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राज्य सरकार डिजिटल नवाचार और स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। तकनीक 'न्यूनतम सरकार-अधिकतम शासन' की अवधारणा को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। समिट के दौरान मुख्यमंत्री ने आर्मेनिया और राजस्थान के विभिन्न स्टार्टअप फाउंडर्स से संवाद भी किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी, निवेशक और बड़ी संख्या में उद्यमी उपस्थित रहे।

बच्चों को सोशल मीडिया की लत से बचाने के लिए प्रदेश में कानून की मांग

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार को शून्यकाल के दौरान बच्चों में बढ़ती सोशल मीडिया की लत का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। शाहपुरा से विधायक मनीष यादव ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के डिजिटल उपयोग को नियंत्रित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया की तर्ज पर कानून बनाने की मांग की।यादव ने कहा कि मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से बच्चों और युवाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने चिंता जताई कि कई बच्चे गैंगस्टरों को अपना आदर्श मानने लगे हैं, जो समाज के लिए गंभीर संकेत है। उन्होंने सुझाव दिया कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए आयु-आधारित डिजिटल विनियमन लागू किया जाए। इसके तहत डिफॉल्ट समय सीमा, रात्रिकालीन ऑटो-लॉक व्यवस्था और सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अनिवार्य पैरेंटल कंट्रोल लागू किए जाएं। साथ ही, अवांछित कंटेंट पर त्वरित नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

- **शाहपुरा विधायक मनीष यादव ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए गए हैं।**
- **उन्होंने कहा कि देश के कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में भी इस प्रकार के कानून पर विचार किया जा रहा है।**

विधायक मनीष यादव ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाए गए हैं। देश के कर्नाटक, गोवा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों में भी इस प्रकार के कानून पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने पूरे सदन से मिलकर इस दिशा में ठोस कदम उठाने की अपील की, ताकि बच्चों को सोशल मीडिया की लत से बचाया जा सके और उनका बचपन सुरक्षित रह सके। उन्होंने इस विषय पर सदन में विस्तृत चर्चा की भी मांग की।

इसी दौरान सदन में गुरुवार को हुए गतिरोध को लेकर नेता प्रतिपक्ष और विधानसभा अध्यक्ष के बीच बहस भी हुई। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने स्पष्ट किया कि उन्होंने निर्धारित नियमों से अधिक समय विपक्ष को दिया है और किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया गया है। उन्होंने दोनों पक्षों को दिए गए समय का ब्यौरा भी सदन में रखा। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्य सचेतक की ओर से ऐसा कोई बयान नहीं दिया गया था, जैसा आरोप लगाया जा रहा है।

वहीं, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि उनके वॉकआउट के पीछे की गई टिप्पणी उचित नहीं थी। हास्य-व्यंग्य के बीच विभिन्न विधायकों ने अपने-अपने क्षेत्रों के मुद्दे भी उठाए। शून्यकाल के बाद सदन में वित्त विनियोग पर चर्चा शुरू हुई।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर ट्रोमा सेंटर के निर्माण में गड़बड़ियों के आरोप गूंजे

जयपुर (विसं)। राजस्थान विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयकों पर चर्चा के दौरान सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार को भ्रष्टाचार और कुशासन के मुद्दों पर आड़े हाथों लिया। विधायक शर्मा ने कहा कि कांग्रेस शासन में नरेगा सहित कई योजनाओं में घोटालों की शिकायतें केन्द्र सरकार तक पहुंची, जांच में ऐसे मामले सामने आए जहां वर्षों तक कागजों में तालाब खुदाई दिखाई गई, लेकिन धरातल पर कुछ नहीं मिला। उन्होंने कैग रिपोर्ट का हवाला देते हुए ट्रॉमा सैंटर निर्माण में अनियमितताओं और जल जीवन मिशन में गड़बड़ियों पर भी सवाल उठाए। गोपाल शर्मा ने तंज कसते हुए कहा कि ''कांग्रेस की नीति : खाओ, पीयो, पचाओ और डकार मत लो'' वाली रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकारों में अच्छे बजट के बाद वित्त मंत्रियों को हटा दिया जाता था।

- **सिविल लाइंस विधायक ने सदन में भ्रष्टाचार पर कांग्रेस को घेरा**

जबकि भजनलाल शर्मा सरकार स्थिरता और विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। विपक्ष द्वारा सरकारी मुख्य सचेतक के साथ किए गए व्यवहार को उन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों और दलित समाज का अपमान बताया और इसकी कड़ी निंदा की। विधायक शर्मा ने कहा कि क्षेत्र में समझाइश से सैकड़ों वर्गमीटर भूमि अतिक्रमण मुक्त कर सरकार को सौंपी गई है। उन्होंने सिविल लाइंस में पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने, पूर्व में पारित नाम परिवर्तन प्रस्ताव लागू करने, एलिवेटेड रोड की शीघ्र स्वीकृति तथा कलेक्ट्रेट सर्किल पर तीन मंजिला भूमिगत पार्किंग निर्माण की मांग की।

हाईवे पर ट्रेलर में कार घुसी

जयपुर । जमवारामगढ़ क्षेत्र में शुक्रवार तड़के एक बड़ा हादसा हो गया। हाईवे पर केबल से भरे ट्रेलर में बेकाबू कार पीछे से जा घुसी। टक्कर के बाद दोनों वाहनों में भीषण आग लग गई। हालांकि आग भड़कने से पहले ही कार में सवार दोनों युवकों को बाहर निकाल लिया गया। जिससे बड़ा हादसा टल गया। थानाधिकारी भगवान सहाय ने बताया कि घटना तड़के करीब साढ़े तीन बजे पिलर नंबर-42 के पास हुई। उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी प्रियांशु और हिमांशु कार से जा रहे थे। इसी दौरान आगे चल रहे ट्रेलर में उनकी कार पीछे से टकरा गई। प्रथम दृष्टया जांच में सामने आया है कि ब्रेक नहीं लग पाने के कारण कार ट्रेलर में जा घुसी। हादसे के तुरंत बाद ट्रेलर चालक ने कार में फंसे दोनों युवकों को बाहर निकाला।

सार-समाचार

निर्वाण यूनिवर्सिटी में पुस्तक का विमोचन

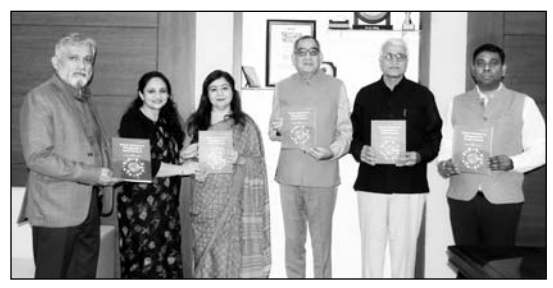

जयपुर । निर्वाण यूनिवर्सिटी जयपुर के शैक्षिणक परिवेश में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि जुड़ गई, जब डॉ. विजयलक्ष्मी चौधरी द्वारा संकलित पुस्तक रीसेंट एडवांसमेंट इन मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज पुस्तक का गरिमामय लोकार्पण विश्वविद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. एस. एल. सिहाग, कुलपति प्रो. एस. एल. गोदारा, प्रो-वाइस चांसलर प्रो. भावना देथा, ओएसडी डॉ. संजय खन्ना तथा रजिस्ट्रार डॉ. सी. एम. राजोरिया ने पुस्तक का विमोचन किया। अतिथियों ने पुस्तक के संपादन एवं प्रकाशन के लिए डॉ. विजय लक्ष्मी चौधरी, एसोसिएट डीन, कला मानविकी और सामाजिक विज्ञान संकाय को हार्दिक बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय की शैक्षिणक उपलब्धियों में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। डॉ. विजय लक्ष्मी चौधरी ने बताया कि यह पुस्तक प्रबंधन एवं सामाजिक विज्ञान के विविध आयामों पर आधारित बहु-विषयक अध्ययनों का सशक्त संकलन है।

जर्जर सड़कें दे रही हादसे को न्यौता

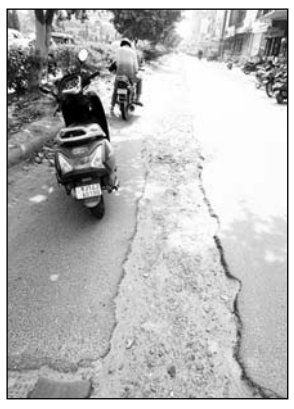

जयपुर । सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन की लापरवाही से लोग परेशान है। राजधानी जयपुर के मालवीय नगर स्थित मॉडल टाउन इलाके में बारिश से क्षतिग्रस्त सड़कें की मरम्मत तो आज तक हुई नहीं, अपितु जलदाय विभाग सहित कुछ दूसरे सरकारी विभागों द्वारा खोदी गई सड़कें आज तक सरकार ठीक नहीं कर पायी है। इसका खामियाजा जनता को उठाना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त सड़कें दुर्घटना का मुख्य कारण बन रही है। टूटी सड़क और गहरे गड्ढों के कारण सड़कों पर वाहन चलाते समय दुर्घटना का भय हमेशा बना रहता है। देखा जाता है मिलीभगत के चलते सडक निर्माण में घटिया सामग्री लगा दी जाती है। इससे सडक बनने के कुछ ही समय के बाद क्षतिग्रस्त हो जाती है।

प्रिंसिपल के तबादले पर हाईकोर्ट की रोक

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने शिक्षा विभाग में कार्यरत दूसरे कर्मचारी को निकट स्थान पर समायोजित करने के लिए मौजूदा प्रिंसिपल का तीन सौ किलोमीटर दूर किए तबादला आदेश पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में शिक्षा विभाग सहित अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस रवि चिरानिया की खंडपीठ ने यह आदेश इंदिरा मीणा की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए। अपील में अधिवक्ता विकास सोमानी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता जमवारामगढ़ के एक स्कूल में प्रिंसिपल के तौर पर तैनात है। उसका गत 22 सितंबर को यहां से करीब तीन सौ किलोमीटर दूर करौली जिले के रतियापुरा स्कूल में तबादला कर दिया गया। याचिका में आरोप लगाया गया की विभाग ने एक अन्य प्रिंसिपल भूरा सिंह मीणा को निकट स्थान पर समायोजित करने के लिए अपीलार्थी को सुदूर क्षेत्र में तबादला किया गया है। अपील में यह भी कहा गया कि अपीलार्थी अपने सेवाकाल के 19 सालों में अधिकांश समय जयपुर से बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में रही है। वहीं उसके पति रेलवे में है और उन्होंने 23 साल राजस्थान के बाहर सेवाएं दी हैं। गत 14 अगस्त को उन्हें जयपुर में तबादला किया गया, लेकिन अपीलार्थी को बाहर भेज दिया गया। ऐसे में उसके तबादला आदेश को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने तबादला आदेश पर रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

पुलिस कमिश्नर करेंगे जनसुनवाई

जयपुर । जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल शनिवार को दोपहर 12 से 2 बजे तक शिप्रा पथ थाने पर उपस्थित रह कर जनसुनवाई करेंगे। इस दौरान मानसरोवर सर्कल के शिप्रा पथ, मानसरोवर, मुहाना, नारायण विहार एवं पत्रकार कॉलोनी पुलिस थाने क्षेत्र के परिवादियों की जनसुनवाई की जाएगी। जनसुनवाई का उद्देश्य संबंधित क्षेत्र के परिवादियों की समस्याओं का तुरंत निस्तारण करते हुए आमजन को राहत पहुंचाना है।

भू-अभिलेख निरीक्षक 3.80 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर नगर-द्वितीय टीम ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए वृत्त जयपुर-पश्चिम में पदस्थापित भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल कुमार को 3 लाख 80 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया।

एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर की गई इस ट्रैप कार्रवाई में आरोपी को परिवादी से नकद राशि लेते पकड़ा गया। एसीबी महानिदेशक पुलिस गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी को शिकायत मिली थी कि भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल कुमार पुश्तैनी जमीन के तकासमा कार्य के बदले 5 लाख रुपए की रिश्वत मांग रहा था और भुगतान के लिए दबाव बना रहा था।

शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी ने परिवादी से 20 हजार रुपए प्राप्त कर शेष 4 लाख रुपए लेने पर सहमति जताई। आरोप है कि वह 1 लाख रुपए स्वयं के लिए और 3 लाख

आरोपी अनिल कुमार

रुपए उपखंड अधिकारी जयपुर-प्रथम के लिए लेने की बात कह रहा था। सत्यापन के बाद एसीबी ने जाल बिछाया। जहां अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र के नेतृत्व में ट्रैप कार्रवाई करते हुए भू-अभिलेख निरीक्षक अनिल कुमार को 3.80 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया।

चलती रोडवेज बस में आग

जयपुर। मानसरोवर इलाके में शुक्रवार दोपहर बड़ा हादसा टल गया, जब चलती राजस्थान रोडवेज की बस में अचानक आग लग गई। घटना करीब 2:40 बजे मानसरोवर रीको चौराहा के पास हुई। बस में सवार करीब 70 यात्रियों ने समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचाई।

राजस्थान रोडवेज की यह बस सिंधी कैंप से केकडी के लिए रवाना हुई थी। मानसरोवर से सांगानेर की ओर जाते समय अचानक बस से धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। चालक ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को तुरंत सड़क किनारे रोक दिया और यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। मानसरोवर फायर स्टेशन की फायरमैन शकुंतला सैनी के अनुसार शॉर्ट सर्किट के कारण लगी आग वायरिंग के जरिए इंजन तक पहुंच गई, जिससे आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल की दो गाडियां मौके पर पहुंचीं। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।

अवैध हथियार फैक्ट्री चलाने वाले दो बदमाश एस.ओ.जी. के हत्थे चढ़े

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने अवैध हथियार बनाने वाले दो फरार आरोपियों को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पिछले सात साल से फरार चल रहे थे और अपने घर पर ही हथियार बनाने की फैक्ट्री संचालित कर रहे थे।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दलवीर सिंह उर्फ बल्लू उर्फ बलवीर सरदार (54) और पंडित उर्फ अनिल डावर (28) निवासी गंधवानी धार (मध्य प्रदेश) के रूप में हुई है। एसओजी टीम ने मुखबिर की सूचना पर मध्य प्रदेश में दबिश देकर दोनों को पकड़ा।

- **पिछले 7 साल से फरार थे आरोपी, घर पर ही बना रहे थे हथियार**

जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी लंबे समय से अवैध पिस्टल और माउजर तैयार कर तस्करों को सप्लाई कर रहे थे। आरोपियों के ठिकाने से हथियार बनाने में प्रयुक्त उपकरण भी जब्त किए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि जुलाई 2020 में एसओजी ने कार्रवाई करते हुए हथियार तस्कर अंकुर लाल मीणा और हेमराज मीणा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 10 अवैध

गिरफ्तार आरोपी दलवीर सिंह और अनिल डावर

देसी पिस्टल व 2 अतिरिक्त मैग्जीन बरामद की थीं। इसके बाद मई 2023 में अकलेश मीणा और श्याम बिहारी मीणा को गिरफ्तार कर 6 अवैध देसी पिस्टल व 2 मैग्जीन जब्त की गई थीं। दोनों मामलों में पूछताछ के दौरान दलवीर सिंह और अनिल डावर के नाम सामने आए थे। एसओजी टीम दोनों आरोपियों की पिछले सात वर्षों से तलाश कर रही थी। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के संबंध में भी जांच की जा रही है।

आचार्य बालकृष्ण को राष्ट्रीय एथनो-फार्माकोलॉजिस्ट पुरस्कार से नवाजा

मोहाली । भारत एवं विश्व स्तर पर आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसन्धान को बल देने वाले अग्रणी वैज्ञानिक और आयुर्वेदाचार्य, आचार्य बालकृष्ण को राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसन्धान संस्थान मोहाली में आयोजित सोसाइटी फॉर एथनोफार्माकोलॉजी की 13वीं अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ट्रांसलेशनल रिसर्च इन एथनोफार्माकोलॉजी इंटेग्रटिंग ट्रैडिशनल मेडिसिन इन मॉडर्न हेल्थकेयर में ''एस.एफ.ई. उत्कृष्ट राष्ट्रीय एथनो-फार्माकोलॉजिस्ट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान एथनोफार्माकोलॉजी एवं पारंपरिक औषधियों के शोध तथा विकास में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शोधकर्ताओं को प्रदान किया जाता है।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह कोई व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, यह आयुर्वेद की उपलब्धि है, यह सम्पूर्ण भारत की उपलब्धि है। पतंजलि, आयुर्वेद के उत्थान और जनमानस को सुलभ स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में

प्रगतिशील है। पतंजलि द्वारा विकसित 90 से अधिक साक्ष्य-आधारित आयुर्वेदिक दवाइयाँ और प्राकृतिक उपचार आज लोगों को सुरक्षित तथा प्रभावी स्वास्थ्य विकल्प प्रदान कर रहे हैं। पतंजलि के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोधकार्य प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो रहे हैं, जो आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों तथा पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों पर वैज्ञानिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

- **आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि ''यह व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि आयुर्वेद व पूरे भारत की उपलब्धि है।''**

पतंजलि के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने कहा कि आचार्य बालकृष्ण की यह उपलब्धि हमारी प्राचीन चिकित्सा प्रणाली आयुर्वेद के वैज्ञानिक प्रमाणीकरण और साक्ष्य-आधारित शोधों की दिशा में पतंजलि की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का मजबूत प्रमाण है।

आचार्य बालकृष्ण के नेतृत्व में पतंजलि ने आयुर्वेद को आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण में प्रस्तुत करने के लिए अनेक शोध कार्य किए है। आचार्य बालकृष्ण को उनके शोध कार्यों के लिए अनेक वर्षों से स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय और एल्सेवियर द्वारा प्रकाशित वैज्ञानिकों की सूची में विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों में भी सम्मिलित किया जा रहा है।

ऑटो चोरी करने वाला दबोचा

जयपुर । श्याम नगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किया गया ऑटो बरामद कर लिया है। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि 19 फरवरी 2026 को दिलीप कुमार (24) निवासी जिला जमुई, बिहार हाल किरायेदार सुंदर नगर गणेशपुरी, मीणा पेट्रोल पंप के पीछे, दिल्ली रोड जयपुर ने थाना श्याम नगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 9 फरवरी की रात करीब 11 बजे वह सिंधी कैंप से दो सवारियों को लेकर महिंद्रा सेज की ओर जा रहा था। रात करीब 11:30 बजे अजमेर रोड स्थित 200 फीट बाईपास पर पानी पीने के लिए नीचे उतरा, तभी दोनों युवक उसका ऑटो लेकर फरार हो गए थे।